

झारखंड सरकार ने 80 उत्कृष्ट वदियालयों के बदले नाम

चर्चा में क्यों?

25 मई, 2023 को झारखंड में खुले 80 उत्कृष्ट वदियालयों के नाम बदलकर स्कूलों के नाम के आगे 'सीएम स्कूल ऑफ एक्सलेंस' जोड़ा जाएगा। इस संबंध में राज्य स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता वभाग ने आदेश भी जारी कर दिये हैं।

प्रमुख बदि

- वभाग की ओर से जारी आदेश के मुताबकि, राज्य के 80 उत्कृष्ट वदियालयों के नाम में एकरूपता लाने के लिये यह फैसला कया गया है। इसके लिये स्कूलों के नाम में बदलाव कया गया है।
- झारखंड के शिक्षा सचवि ने सभी ज़िलों को भेजे गए पत्र में कहा है कि आदर्श वदियालय योजना के तहत वभिन्न ज़िलों में 80 स्कूलों को उत्कृष्ट वदियालय के रूप में वकिसति कया गया है। ये वदियालय वर्तमान में अलग-अलग नाम से जाने जाते हैं, इस कारण इनकी पहचान स्कूल ऑफ एक्सलेंस के रूप में नहीं बन पा रही है, जसिसे इन वदियालयों के स्वरूप को समझने में भी परेशानी हो रही है। इसलिये इन वदियालयों को 'सीएम स्कूल ऑफ एक्सलेंस' के रूप में नामति करने का नरिणय लया गया है।
- राज्य के सभी ज़िलों को वदियालयों के परविरतति नाम भी भेज दिये गए हैं। राज्य परयोजना नदिशक को वदियालयों के बदले हुए नाम के साथ उसका 'यू डायस कोड' संबद्ध करने को कहा गया है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू है।
- वदिति है कि गरीब परवार के बच्चों को बेहतरीन शिक्षा देने के उद्देश्य से झारखंड की सरकार ने उत्कृष्ट वदियालय की शुरुआत की है।
- इन स्कूलों में बेहतरीन आधारभूत संरचनाओं का वकिस कया गया है। स्कूल में कंप्यूटर लैब भी बनाए गए हैं, ताकि बच्चे डिजिटल युग में पीछे न रहें।
- गौरतलब है कि राज्य के दविगत शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो ने कहा था कि झारखंड के गरीब परवार के बच्चे भी अंग्रेजी में पढाई करेंगे। झारखंड के हर प्रखंड में ऐसा स्कूल बनाएंगे, जो अंग्रेजी माध्यम के प्राइवेट स्कूलों को टक्कर देंगे।